http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 67

प्रयागराज शनिवार 23 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

नागरिकों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना जरूरी: राष्ट्रपति मुर्मू

हैदरबाद,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों में श्राष्ट्र प्रथमश की भावना पैदा करना आवश्यक है। श्रीमती मुर्मू ने शुक्रवार को हैदराबाद में संस्कृतिक उत्सव लोकमंथन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत में एकता के धागे को मजबूत करने का यह एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी नागरिकों को भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को समझना चाहिए और हमारी अमूल्य परंपराओं को मजबूत करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा ," विविधता हमारी मौलिक एकता को सुंदरता का इंद्रधनुष प्रदान करती है। चाहे हम वनवासी हों, ग्रामीण हों, नगरवासी हों, हम सभी भारतीय हैं। राष्ट्रीय एकता की यही भावना तमाम चुनौतियों के बावजूद हमें एकजुट रखे हुए है।' उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को बांटने और कमजोर करने की कोशिशें सदियों से होती रही हैं। देश की एकता को तोड़ने के लिए कृत्रिम भेद पैदा किये गये हैं, लेकिन, भारतीयता की भावना से ओत–प्रोत नागरिकों ने राष्ट्रीय एकता की मशाल जला रखी है। राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारतीय विचारधारा का प्रभाव दुनिया में दूर–दूर तक फैला हुआ है। भारत की धार्मिक मान्यताएँ, कला, संगीत, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा प्रणालियाँ, भाषा और साहित्य की सराहना पूरे विश्व में की गई है। भारतीय दार्शनिक प्रणालियाँ सबसे पहले विश्व समुदाय को आदर्श जीवन मूल्यों का उपहार देने वाली थीं। पूर्वजों की उस गौरवशाली परंपरा को मजबूत करना हमारा दायित्व है। राष्ट्रपति ने कहा कि सदियों से साम्राज्यवाद और औपनिवेशिक शक्तियों ने न केवल भारत का आर्थिक शोषण किया, बल्कि हमारे सामाजिक ताने–बाने को भी नष्ट करने का प्रयास किया। जिन शासकों ने हमारी समृद्ध बौद्धिक परंपरा को हेय दृष्टि से देखा, उन्होंने नागरिकों में सांस्कृतिक हीनता की भावना पैदा की। भारतीयों पर ऐसी परंपराएँ थोप दी गईं, जो हमारी एकता के लिए हानिकारक थीं। सदियों की पराधीनता के कारण नागरिक गुलामी की मानसिकता के शिकार हो गये। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों में श्राष्ट्र प्रथमश की भावना पैदा करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोकमंथन इस भावना को मजबूत बना रहा है।ध

वन दरोगा नियुक्ति पत्र वितरणः सीएम योगी बोले....

20 % महिलाकर्मियों की होगी भर्ती

● लोकतंत्र में रियल पॉवर पब्लिक को मिले–हंगरी की पूर्व प्रेसीडेंटः सीएम योगी बोले– युद्ध ने ढाई अरब बच्चों का भविष्य खतरे में डाला

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यानी शुक्रवार को लखनऊ के लोकभवन में एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज यानी शुक्रवार को लखनऊ के लोकभवन में एक विशेष कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान सीएम योगी ने 701 वन दरोगाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने ने यह भी कहा कि इन 701 नियुक्तियों में 140 महिला अभ्यर्थी भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। आगे उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति प्रदेश के वन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल राज्य की हरित धरोहर को सुरक्षित रखेगा, बल्कि वन्य जीवन और जैव विविधता के संरक्षण में भी सहायक होगा। सीएम योगी ने एक्स पर शेयर किया पोस्ट सीएम योगी ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होनें लिखा, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से चयनित 701 वन दरोगाओं के नियुक्ति–पत्र वितरण के लिए आज लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। पूर्ण विश्वास है कि आप सभी राज्य के प्रति, राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठापूर्वक करेंगे। चयनित सभी अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं! योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण को लेकर सशक्त कदम उठाना है। उन्होंने वन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और कहा कि राज्य सरकार ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया है। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य वन क्षेत्र का विस्तार, वनों की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी कहा कि इस नियुक्ति से न केवल वन दरोगाओं के जीवन में नया अवसर आया है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की हरित नीति को मजबूत बनाने में भी सहायक होगा। उन्होंने सभी चयनित वन दरोगाओं से यह अपेक्षा की कि वे अपने कार्यों के माध्यम से प्रदेश के पर्यावरण को संरक्षित करने में पूरी तरह समर्पित रहें।

राजनाथ ने जापान और फिलिपींस के रक्षा मंत्रियों के साथ बैठक की

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए लाओस गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जापान और फिलिपींस के रक्षा मंत्रियों के साथ बैठक में रक्षा क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की है। श्री सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, "वियनतियाने लाओस में जापान के रक्षा मंत्री जनरल निकतानी के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। मुझे विश्वास है कि हमारी साझेदारी स्वतंत्र, खुले और नियम–आधारित इंडो पैसिफिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।"

उन्होंने फिलिपींस के रक्षा मंत्री के साथ भी बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने पोस्ट किया , " फिलिपींस के रक्षा मंत्री गिल्बर्टो टेओडोरो के साथ अच्छी बैठक हुई। फिलिपींस हमारी एक्ट ईस्ट पॉलिसी और इंडो–पैसिफिक विजन में एक महत्वपूर्ण भागीदार है। भारत फिलिपींस के साथ रक्षा सहयोग को और मजबूत करने और विस्तारित करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है।"फिलीपींस के राष्ट्रीय रक्षा सचिव के साथ बैठक रक्षा मंत्री ने आसियान रक्षा मंत्रियों की अगली बैठक और (एडीएमएम)–प्लस फोरम में भारत के समन्वयक देश के रूप में फिलीपींस का स्वागत किया।

मणिपुर पर सियासत तेज

खड़गे के आरोप पर जेपी नड्डा का पलटवार, बोले– अपने गलत फैसलों को भूल रही कांग्रेस

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। मणिपुर में ताजा हिंसा से भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है और दोनों राज्य में संकट के लिए एक–दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कांग्रेस पर मणिपुर अशांति के मुद्दे पर षालत, झूठा और राजनीति से प्रेरितष कहानी को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। उनकी टिप्पणी कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्तक्षेप की मांग करने और संकट को कम करने में केंद्र की पूरी विफलता का आरोप लगाने के कुछ ही घंटों बाद आई है। नड्डा ने अपने पत्र में लिखा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आप भूल गए हैं कि न केवल आपकी सरकार ने भारत में विदेशी आतंकवादियों के अवैध प्रवास को वैध बनाया था, बल्कि तत्कालीन गृह मंत्री पी. चिदंबरम ने उनके साथ संधियों पर हस्ताक्षर किए थे! इसके अलावा, गिरफ्तारी से बचने के लिए अपने देश से भाग रहे इन ज्ञात उग्रवादी नेताओं का पूरे दिल से समर्थन किया गया और उनके अस्थिर प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। भाजपा अध्यक्ष ने आगे लिखा कि आपकी सरकार के तहत भारत की सुरक्षा और प्रशासनिक प्रोटोकॉल की पूर्ण विफलता एक प्रमुख कारण है कि उग्रवादी और आदतन हिंसक संगठन मणिपुर में कड़ी मेहनत से हासिल की गई शांति को नष्ट करने और इसे कई दशकों तक अराजकता के युग में धकेलने का प्रयास कर रहे हैं। हालाँकि, मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूँ कि कांग्रेस के विपरीत, हमारी सरकार किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि केंद्र और मणिपुर की सरकारें शुरुआती हिंसा के बाद से ही स्थिति को स्थिर करने और लोगों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। नड्डा ने खरगे से कहा, ''इसके बावजूद आप और आपकी पार्टी ने इन घटनाक्रमों को नजरअंदाज करते हुए राजनीतिक लाभ उठाने और अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर और उसके लोगों का इस्तेमाल करने का विकल्प चुना। मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि कांग्रेस के पूर्व शासन में मणिपुर ने इतिहास के सबसे खूनी दौर को देखा है।'' उन्होंने कहा कि 90 के दशक के काले दौर में बड़े पैमाने पर हिंसा के कारण हजारों लोग मारे गए और लाखों लोग विस्थापित हुए। उन्होंने कहा कि इसके अलावा केवल 2011 में मणिपुर में 120 दिन से अधिक समय तक पूर्ण नाकाबंदी देखी गई।

सिसोदिया की जमानत शर्तों में ढील की याचिका पर सीबीआई, ईडी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने आबकारी नीति कथित घोटाले के मामलों में जमानत की शर्तों में शामिल जांच अधिकारी के समक्ष हाजिरी लगाने में ढील देने की दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की याचिका पर शुक्रवार को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति बी आर गवई और

न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने श्री सिसोदिया की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी की दलीलें सुनने के बाद दोनों केंद्रीय एजेंसियों को अपना–अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि वह इस मामले में दो सप्ताह बाद विचार करेगी।ध साथ ही, यह स्पष्ट किया कि वह अगली सुनवाई की तारीख पर आवेदन पर फैसला करेगी। श्री सिंघवी ने अपनी दलील में कहा कि वह (सिसोदिया) सम्मानित व्यक्ति हैं। अदालती आदेश का पालन करते हुए वह संबंधित जांच अधिकारी के समक्ष लगभग 60 बार पेश हो चुके हैं। उन्होंने मामले में सुनवाई की नजदीकी तारीख मुकर्रर करने की अदालत से गुहार लगाई, क्योंकि उन्हें डर है कि दूसरा पक्ष (ईडी– सीबीआई) मामले में स्थगन की मांग कर सकता है। शीर्ष अदालत ने नौ अगस्त, 2024 को आरोपी सिसोदिया को –सीबीआई और ईडी– दोनों मामलों में जमानत दे दी थी।

अभियोजक का आरोप– गौतम अदाणी और साथियों ने की साजिश

● मकसद– निवेशकों से धोखाधड़ी

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली,(एजेंसी)। गंभीर आरोपों से घिरे भारत के अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी मुश्किलों में घिरते नजर आ रहे हैं। उन पर लगे गंभीर आरोपों के बाद शेयर बाजार में निवेशकों के लाखों करोड़ रुपये डूब गए। अमेरिकी अभियोजन पक्ष का आरोप है कि अदाणी व साथियों ने निवेशकों से धोखाधड़ी करने के लिए साजिश रची। इसके अलावा अमेरिकी अभियोजक ने ये आरोप भी लगाया है कि गौतम अदाणी के साथ साजिश में शामिल लोग उन्हें न्यूमैरो उनो और द बिग मैन बुलाते थे। अमेरिकी न्याय विभाग ने न्यूयॉर्क की अदालत में दावा किया कि दिग्गज कारोबारी गौतम अदाणी और अन्य साथियों ने अपने फायदे के लिए निवेशकों के साथ धोखाधड़ी करने के लिए साजिश रची। साथ ही, आरोपियों ने खरबों रुपये के अनुबंध हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देने के लिए षड्यंत्र रचा। हालांकि अभियोग में साफ कहा गया है कि ये आरोप हैं और जब तक दोष साबित नहीं हो जाता है, आरोपियों को निर्दोष माना जाएगा। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, साजिश में शामिल रहे कुछ लोग गौतम अदाणी को निजी तौर पर न्यूमैरो उनो यानी नंबर वन और द बिग मैन कोड नाम से बुलाते थे। अनुबंध हासिल करने और वित्तपोषित करने की साजिश अमेरिकी अभियोजकों का आरोप है कि 2020 और 2024 के बीच अदाणी कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों और अमेरिका स्थित परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों से 200 करोड़ डॉलर से अधिक बैंक ऋण जुटाया। डिप्टी असिस्टेंट अटॉर्नी जनरल लिसा मिलर ने कहा कि अदाणी और उनके सहयोगियों ने अमेरिकी निवेशकों की कीमत पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के जरिये बड़े पैमाने पर राज्य ऊर्जा आपूर्ति अनुबंध हासिल करने और वित्तपोषित करने की साजिश रची।

अमेरिकी अटॉर्नी ब्रायन पीस ने कहा कि आरोपियों ने विस्तृत साजिश रचकर हमारे वित्तीय बाजारों की अखंडता की कीमत पर खुद को समृद्ध करने की कोशिश की। अभियोग में अभियोजकों ने गौतम अदाणी।

सुकमा में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, 10 नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़,(एजेंसी)। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि छत्तीसगढ़ के दक्षिणी सुकमा में DRG के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए। INSAS, AK–47, SLR और कई अन्य हथियार बरामद हुए। सर्च ऑपरेशन जारी है। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के थाना भेज्जी इलाके में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे जाने की जानकारी मिली है। सुरक्षाबलों ने मौके से तीन ऑटोमैटिक राइफल और अन्य हथियार बरामद किए हैं। जानकारी के मुताबिक, नक्सलियों के साथ आज सुबह में जवानों के साथ मुठभेड़ हुई थी। जवानों को सुचना मिली थी कि कई नक्सली ओडीशा के रास्ते छत्तीसगढ़ में प्रवेश कर रहे हैं। डीआरजी की टीम नक्सलियों की घेराबंदी करने निकली थी। दोनों तरफ से सैकड़ों राउंड फायरिंग हुई है। साथ ही कई ऑटोमैटिक हथियार भी मिले हैं। ये मुठभेड़ कोराजुगुड़ा, दंतेसपुरम, नागाराम, भंडारपदर के जंगल–पहाड़ी में हुई है। जवान इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों ने जवानों पर हमला कर दिया। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से काफी देर तक गोलीबारी हुई। बस्तर आईजी पी सुंदरराज ने की मुठभेड़ की पुष्टि की है। आईजी बस्तर पी सुंदरराज ने बताया कि छत्तीसगढ़ के दक्षिणी सुकमा में DRG के साथ मुठभेड़ में 10 नक्सली मारे गए। INSAS, AK–47, SLR और कई अन्य हथियार बरामद हुए। सर्च ऑपरेशन जारी है। जवानों को मिली यह सफलता सराहनीय हैरू मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा। , श्अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सुरक्षाबल के जवानों ने आज सुबह सुकमा जिले में नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुठभेड़ में 10 नक्सलियों को मार गिराया है। जवानों को मिली यह सफलता सराहनीय है। नक्सलियों के खिलाफ हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए मजबूती के साथ लड़ाई लड़ रही है।

चुनावी नतीजों से पहले जीतने का दावा, कहा- खोखा वाले विधायकों पर बनाएंगे दबाव

● सभी मिलकर बैठेंगे और सीएम चुनेंगेः राउत

मुंबई,(एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा कि परिणाम कल आएंगे। हमें यकीन है कि हम बहुमत हासिल करने जा रहे हैं। हमारे 160–165 विधायक चुने जाएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा के नतीजों से पहले ही जहां महाविकास आघाड़ी (एमवीए) और महायुति ने अपनी–अपनी जीत के दावे करने शुरू कर दिए हैं, वहीं दोनों गठबंधनों में सीएम पद को लेकर आंतरिक रूप से टकराव भी शुरू हो गया है। अब नतीजों से पहले उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना ने दावा किया है कि वह बहुमत हासिल करने जा रही है। सभी मिलकर बैठेंगे और सीएम चुनेंगेरू राउत शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने कहा, श्परिणाम कल आएंगे। हमें यकीन है कि हम बहुमत हासिल करने जा रहे हैं। हमारे 160–165 विधायक चुने जाएंगे। श्खोखा वालेश उन पर दबाव बनाएंगे, इसलिए हमने उनके लिए एक होटल में एक साथ रहने की व्यवस्था की है। शरद पवार, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे को (मुख्यमंत्री का चेहरा चुनने में) भूमिका निभानी होगी। एमवीए को पूर्ण बहुमत मिलेगा और हम सर्वसम्मति से निर्णय लेंगे। अभी तक कोई फार्मूला नहीं बना है, सभी मिलकर बैठेंगे और सीएम चुनेंगे।श भ्रष्टाचार और अदाणी की सरकार खत्म होने वालीरू चतुर्वेदी शिवसेना (यूबीटी) नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, श्महाराष्ट्र के लोग उन्हें (महायुति) अगले 25 वर्षों के लिए मुक्त करने जा रहे हैं। लूट, भ्रष्टाचार और अदाणी की सरकार खत्म होने वाली है। हमें बहुमत मिलेगा और हम पांच साल तक लोगों की सेवा करेंगे। वे लोग हेलीकॉप्टर की बुकिंग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि जब यह लोग हारेंगे तब लोग उनसे सवाल पूछेंगे और उन्हें भागने की जरूरत पड़ेगी। महाराष्ट्र में 65.11 फीसदी मतदान महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के दौरान बुधवार को हुई बंपर वोटिंग ने तीन दशक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। चुनाव आयोग के मुताबिक, राज्य में में 288 विधानसभा सीटों पर 65.11 फीसदी मतदान हुआ, जो पिछले 30 साल में सबसे अधिक है। इससे पहले 1995 के विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में 71.7 फीसदी मतदान हुआ था।

सम्पादकीय

महाराष्ट्र–झारखंड चुनावों में मोदी से ज्यादा अदानी का स्टेक

विधानसभा चुनावों की वर्तमान में जारी श्रृंखला के अंतर्गत झारखंड के दूसरे व अंतिम तथा महाराष्ट्र के एकमेव चरण के लिये बुधवार को जो मतदान होने जा रहा है उसमें केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ही स्टेक नहीं है। कहें तो मोदी के सबसे करीबी कारोबारी मित्र गौतम अदानी का कहीं अधिक दांव पर लगा हुआ है। मोदी इस वक्त चाहे विदेश की यात्रा पर हों और पिछले कुछ दिनों से वे दोनों राज्यों के चुनावी परिदृश्य में वैसे नहीं दिखाई दिये जैसे कि वे अमूनन चुनावों के दौरान उपस्थित रहा करते हैं, तो कोई यह न समझे कि वे इन चुनावों से निराश हो चुके हैं या फिर वहां पराजय का खतरा महसूस करते हुए खुद को अलग कर लिया, जैसा उन्होंने विगत में पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक, तेलंगाना आदि राज्यों में किया था जिनमें भारतीय जनता पार्टी को हार मिली थी। झारखंड और महाराष्ट्र उपरोक्त बताये गये राज्य नहीं हैं। जगजाहिर है कि मोदी अब इन बातों का विशेष ख्याल नहीं रखते कि किस राज्य में भाजपा की जीत से उनकी छवि सुधरेगी और किन राज्यों में पराजयों से गिरेगी। उन्होंने भाजपा को ऐसे रंग में रंग दिया है कि किसी भी प्रदेश का चुनाव जीतने पर उन्हीं के माथे सेहरा सजता है और हारने पर पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा या स्थानीय इकाई प्रमुख के सिर होते ही हैं– ठीकरे फोड़ने के लिये। मोदी का प्रचार तंत्र साबित कर देता है कि जीत का कारण मोदी का चेहरा है और पराजय के वे बिलकुल जिम्मेदार नहीं हैं। अब अपने 3रू0 के कार्यकाल में मोदी ने यह लिहाज भी छोड़ दिया है कि उनके नाम को अदानी या रिलायंस के मालिक मुकेश अंबानी के साथ जोड़ा जाता है। छत्तीसगढ़ का चुनाव याद करें तो वह मोदी के लिये जितना अहम था उतना ही महत्वपूर्ण अदानी के लिये भी था। उस रौ में मध्यप्रदेश तथा राजस्थान भी बह निकले और कहने को हो गया कि यदि अदानी के लिये ही मोदी चुनाव लड़ते हैं तो बाकी दोनों राज्य (मप्र–राज.) कैसे भाजपा ने जीत लिये जहां अदानी की कोई दिलचस्पी नहीं थी तो उसके दूसरे रणनीतिक कारण थे जो कांग्रेस की अंदरूनी कलह और मैनेजमेंट की असफलताओं से जुड़े हुए हैं। उस पर पहले से पर्याप्त चर्चा हो चुकी है। इस मुद्दे को यदि विपरीत दिशा से बढ़ते हुए समझा जाये तो स्थिति और भी साफ हो जाती है। हाल ही में हरियाणा में जीत की दूर–दूर तक सम्भावना नहीं थी। वहां जिस बड़े पैमाने पर चुनाव के ठीक पहले भाजपा नेताओं, पार्टी पदाधिकारियों और पूर्व या तत्कालीन विधायकों का कांग्रेस या अन्य दलों की ओर प्रयाण हुआ था वह अभूतपूर्व था। वहां कांग्रेस की बड़ी सभाएं और रैलियां हुईं। इसके विपरीत भाजपा के प्रत्याशियों को कई गांवों में घुसने तक नहीं दिया गया। किसानों की सबसे ज्यादा नाराजगी जिन राज्यों में थी उनमें यह प्रदेश प्रमुखता से शामिल है। मतगणना में सुबह से आगे चलती कांग्रेस ने बामुश्किल आधे घंटे की अवधि में इतनी बड़ी संख्या में सीटें गंवा दी कि वह सरकार बनाने वाले आंकड़े से दूर हो गयी। उधर जम्मू–कश्मीर में कई कारणों से भाजपा की दिलचस्पी खत्म हो गयी थी इसलिये उसने सघनता से चुनाव नहीं लड़ा जैसा कि उसने हरियाणा का लड़ा था। दोनों के चुनाव लगभग एक साथ हुए थे और परिणाम भी एक ही दिन आये थे। फिर, अनुच्छेद 370 हटाने का जो राजनीतिक लाभ भाजपा को उठाना था, वह उसने देश भर में उठा लिया था। सच तो यह है कि जम्मू–कश्मीर में सरकार चलाने से कहीं अधिक फायदेमंद है उस पर सियासत करना। वहां सरकार चलाना अपनी उंगलियां जलाना है। वैसे भी वहां न तो आतंकवादी गतिविधियां रूकीं और न ही भाजपा को कश्मीरी पंडितों को बसाने में सफलता मिल पाई। सम्भवतरू भाजपा को यह बात भी समझ में आ गयी होगी कि वहां उसके कारोबारी मित्र न तो उद्योग लगा सकते हैं और न ही जमीनें खरीद सकते हैं। वैसे भी जम्मू–कश्मीर इतना संवेदनशील राज्य है कि किसी न किसी बहाने से उसकी सरकार को आसानी से गिराया जा सकता है। ध्रुवीकरण की राजनीति उस राज्य में विपक्षी बेंचों पर बैठकर कहीं अधिक आसानी से की जा सकती है। इसलिये उसे छोड़ देना बेहतर समझा गया होगा। छत्तीसगढ़–ओडिशा–झारखंड वह हरियर पट्टा है जो खनिज सम्पन्न है, खासकर इन राज्यों की जमीनों के नीचे कोयले का अकूत भंडार दबा हुआ है। देश भर में चल रहे अपने बिजली संयंत्रों के लिये अदानी को कोयले की निर्बाध और भरपूर सप्लाई चाहिये। यही वह कारण है कि इन तीनों राज्यों की विधानसभाओं को जीतना भाजपा और उससे बढ़कर मोदी के लिये जीतना बहुत जरूरी है। अदानी व्यवसायिक दृष्टि से मोदी पर और मोदी राजनीतिक सफलता के लिये अदानी पर निर्भर हैं। यदि मोदी को अपनी राजनीति चलानी है तो उनके लिये अदानी के कारोबारी हितों की रक्षा करनी जरूरी है। इसलिये झारखंड की विधानसभा में भाजपा का बहुमत मोदी के लिये अहम बन गया है। अदानी के व्यवसायिक हितों के तार धीरे–ध ीरे विभिन्न राज्यों के राजनीतिक क्षितिजों को छू रहे हैं। महाराष्ट्र भी ऐसा ही प्रदेश है। विशेषकर मुंबई। महानगर के बीचों–बीच बसे और दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गीबस्तियों में से एक धारावी के पुनर्निर्माण का एक बड़ा प्रोजेक्ट मुख्यमंत्री कार्यालय में लम्बित बतलाया जाता है। यह अदानी की ही परियोजना है।धारावी में लोगों को मय नागरिक सुविधाओं के पक्के आवास देने वाली यह योजना पहले भी अलग–अलग रूपों एवं नामों से लाई जाती रही है। पिछली सदी के आठवें दशक में राजीव गांधी धारावी के कायाकल्प के लिये प्रधानमंत्री विकास परियोजना (पीएमडीपी) लेकर आये। यह योजना ठीक से प्रारम्भ हो पाती उसके पहले ही कांग्रेस का राज जाता रहा। फिर इसे डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा 2008 में लागू करने की बात की गयी। उसका संशोधित स्वरूप बनने के पहले यूपीए की सरकार 2014 में चली गयी। वैसे 1995 में जब महाराष्ट्र में शिवसेना–भाजपा ने चुनाव जीता था तो उसका सबसे बड़ा कारण था चुनावी घोषणा पत्र में किया गया यह वादा कि उनकी सरकार बनने के बाद धारावी के हर परिवार को पक्का घर मिलेगा। वैसे वह योजना भी आगे नहीं बढ़ पाई लेकिन पहले की दो गारंटियों और अब भाजपा की योजना के बीच प्रमुख फर्क यह है कि शिवसेना–भाजपा तथा यूपीए सरकार ने यह योजना शासकीय स्तर पर लागू करने का तय किया था जबकि डबल इंजिन सरकार पहले दिन से साफ कर चुकी है कि यह योजना अदानी व्यवसाय समूह क्रियान्वित करेगा। अधिकतर लोगों को भरोसा नहीं है कि उनका विस्थापन और पुनर्वास ठीक से हो सकेगा। कई तो मानते हैं कि एक बार धारावी छोड़ने के बाद वे शायद ही अपनी जगहों पर लौट सकेंगे। धारावी को इतना महंगा कर दिया जायेगा कि वहां की झोपड़पट्टियों और छोटी–छोटी खोलियों में रहकर गुजारा करने वाले लोग खुद ही बेदखल हो जायेंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि मोदी का नारा श्एक हैं तो सेफ हैंश का अर्थ है अदानी की तिजोरी में भाजपा और मोदी का सुरक्षित होना। सोमवार को उन्होंने कैमरे के सामने तिजोरी से मोदी–अदानी की तस्वीर और धारावी की सेटेलाइट इमेज निकालकर महाराष्ट्र में अदानी के हितों को सार्वजनिक कर दिया।

इदन्न मम : कभी-कभी थोड़ा पलायन बहुत स्वस्थ होता है... क्षणों के इस अनंत प्रवाह में अपनी पूजानत अंजलि डाल दो

❍ मन के चंदन कपाट खोल दो और जो भी लहराती झकोर आ रही है उसे आने दो और अपने पूजा गीत की वह पंक्ति मत भूलो... 'अर्पित होने के अतिरिक्त और राह नहीं।'

धर्मवीर भारती

जब आप जिंदगी के भीड़–भाड़ वाले राजमार्ग पर थके–हारे, भीड़ की लहरों में धक्के खाते हुए, विवश आगे धकेले जा रहे हों और आपको अकस्मात एक छोटी पगडंडी रास्ते से फूटती दिखाई दे, जो परिचित हरीतिमा को गुदगुदाती हुई किसी अपरिचित ठिकाने की ओर जा रही हो, तो मैं आपसे आग्रह करता हूं कि बिना कुछ भी सोचे–समझे, जल्दी से तमाम जरूरी से जरूरी काम छोड़कर उस पगडंडी पर मुड़ जाइए। कभी–कभी थोड़ा पलायन बहुत स्वस्थ होता है। इसका एहसास मुझे तब हुआ, जब मैंने अपने को भटकते–भटकते उस चर्च के अहाते में पाया, जब सूरज डूब रहा था। और अकस्मात मीनार पर घंटे बजने लगे और हम दोनों मरियम की मूर्ति के सामने खड़े थे। बड़ी शीतलता थी। नीचे नम धरती पर एक खास तरह की घास जमाई गई थी हरी, छोटी–छोटी हथेलियों जैसी, जमीन को छाए हुए, और तुम उदास थीं और मैं चुप और अंदर से भरा–भरा। और बिना कुछ बोले जैसे मैं तुम्हारे मन को टटोल रहा था। सांत्वना दे रहा था, और बिना कुछ बोले तुम अपरिचित ममता से मुझे कण–कण, भरे दे रही थीं। और न मैंने तुम्हारी ओर देखा न तुमने मेरी ओर... हम दोनों मरियम की मूर्ति की ओर देख रहे थे और लगता था, जैसे–वहां हम मिल रहे हों, एक–दूसरे में घुल रहे हों और डूबते सूरज की हल्की

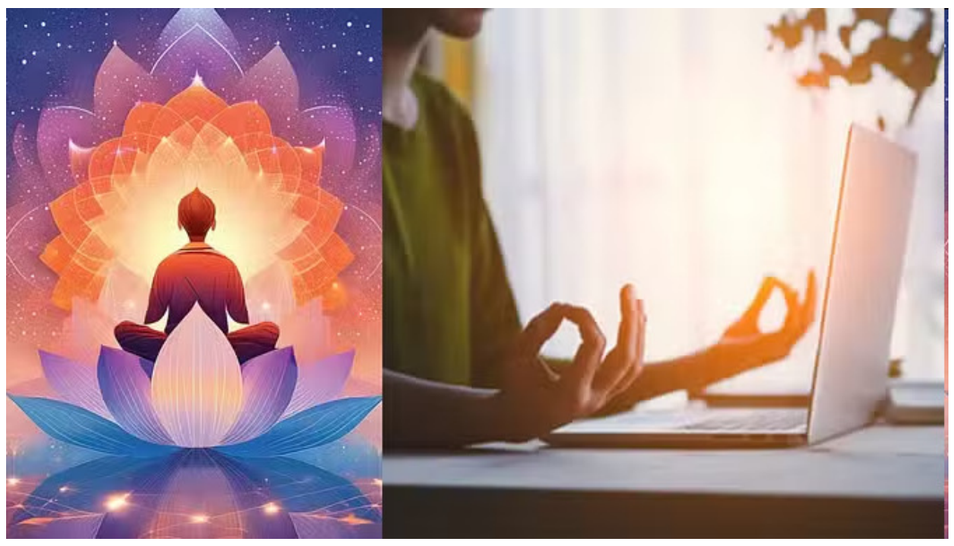

सिंदूरी छांह में मैं जैसे नहाकर ताजा हो उठा था...सच यह है कि कई बार यह कंबख्त जिंदगी इतनी कृत्रिम और अस्वाभाविक लगती है कि मन घुटने लगता है। धीरे–धीरे वे क्षण बिल्कुल दुर्लभ हो जाते हैं, जब हम जीवन जीते हैं, गहराई में जीते हैं। अब मैंने सोचा है कि सार्वजनिक हलचल भरी जिंदगी को जरा श्रद्धापूर्वक प्रणाम करूंगा। और अपनी जिंदगी फिर पहले जैसी बनाऊंगा...फूल, प्यार, और सुख–दुख के गहरे हिलकोरों वाली। खुशनुमा, उज्ज्वल, पवित्र और रंगारंग। पावसी की शाम को बादलों में हजारों रंग की फुलझड़ियां खिल आती हैं न... बिल्कुल वैसी ही।

अकारण क्यों विश्लेषण किया जाए और क्यों तर्क–वितर्क किया जाए और क्यों उधेड़बुन की जाए और क्यों मन के चारों ओर रेखाएं खींची जाएं? मन के चंदन कपाट खोल दो और जो भी लहराती झकोर आ रही है, उसे आने दो और अपने पूजा गीत की वह पंक्ति मत भूलो... 'अर्पित होने के अतिरिक्त और राह नहीं।' क्षणों के इस अनंत प्रवाह में अपनी पूजानत अंजलि डाल दो और जो कुछ बहता हुआ चला आ रहा है, उससे हाथ मत खींचो, उसे दुलार से उठाकर कृतज्ञतापूर्वक माथे से लगा लो और फिर उसी बहाव में डाल दो, जिसने वह दिया था...इदन्न मम। और इन क्षणों की अथाह नीलिमा में सिर्फ डूब जाओ... जैसे कोई किसी प्रभाती के अलाप में डूब जाए गहरे, और गहरे.. और उसमें से निकले, तो आंसू में घुला हुआ, अमृत में नहाया हुआ, जिसका हर स्पर्श ज्योति का स्पर्श हो और हर आलिंगन ऐसा परम, ऐसा एब्सोल्यूट जैसे संगीत का स्वर तारों में लिपटा सोया रहता है। क्षणों की अथाह नीलिमा। नीले रंग के साथ एक आसंग (एसोसिएशन) है न...कितना पुराना और बार–बार दोहराने वाला।

सूत्र : हमेशा महकते रहें

मैंने कभी मृत्यु के बारे में नहीं सोचा, पर कभी–कभी जरूर सोचता हूं कि जिए जाने वाले क्षणों की यह जो अंतर्ग्रथित शृंखला है, इसका कहीं न कहीं तो अंत होगा ही। और जब होगा, तब कुछ खास नहीं होगा... मैं तो, स्वर्ण पराग–सा उसी तरह महकता रहूंगा, और फिर सब शांत हो जाएगा।

दूसरा पहलू : खुश होइए कि जोंक की वापसी हो रही है, लंदन के चिड़ियाघर में पैदा हुए 40 बच्चे

❍ जोंक का नाम सुनकर भले ही रक्त चूसने वाले जीव की छवि हमारे मन में बनती हो, लेकिन यह अनेक रोगों की दवा है। वर्ष 1884 में जोंक की लार की हिरोडीन नामक एक थक्कारोधी के रूप में पहचान की गई थी। सर्जन तो अब भी जोंक का उपयोग करते हैं। 20वीं सदी की शुरुआत में हिरुडो डेकोरा नामक जोंक लुप्त हो गई थी। फिलहाल अच्छी बात यह है कि लंदन के चिड़ियाघर में औषधीय जोंक के 40 बच्चे पैदा हुए हैं। याद रखें जोंक हमारी दुश्मन नहीं, बल्कि दोस्त है।

माइक जेफरीज

जोंक का नाम सुनते ही शरीर में सिहरन–सी होने लगती है। बचपन से सुना है कि यह जोंक शरीर से चिपक कर खून चूस लेती है। 1959 में एक फिल्म आई थी, अटैक ऑफ द जाइंट लीचेस, जिसे देखने के बाद तो जोंक सपने में भी डराने के लिए आने लगी थी। लेकिन अब जोंक को संरक्षित करने के प्रयास हो रहे हैं। पहली बार औषधीय जोंक हिरुडो मेडिसिनलिस को लंदन के चिड़ियाघर में रखा गया है।

एक वक्त था, जब ब्रिटेन में औषधीय जोंक बहुतायत में थीं। आयरलैंड में 19वीं शताब्दी में जोंक को समाप्त करने के प्रयास किए गए थे। लेकिन अब उनकी सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और जैव विविधता ऑडिट में मान्यता दी गई है। 19वीं सदी में कैंसर से लेकर मानसिक बीमारियों के इलाज के लिए जोंक का उपयोग अंधाधुंध तरीके से किया जाता था। जोंक 'रक्तस्राव' के रूप में बदनाम थी। हालांकि वर्ष 1884 में जोंक की लार की हिरोडीन नामक एक थक्कारोधी के रूप में पहचान की गई थी। सर्जन तो अब भी जोंक का उपयोग करते हैं, जैसे–कटी हुई अंगुलियों को दोबारा जोड़ते समय,

क्योंकि जोंक की लार नसों में रक्त का थक्का जमने से रोकती है। 18वीं और 19वीं सदी में औषधीय गुणों की वजह से जोंक का अंतरराष्ट्रीय बाजार बन गया था। यह उपचार विलासिता का परिचायक था और गरीबों के लिए दुर्लभ। सभी प्रकार की बीमारियों के इलाज के लिए जोंक का उपयोग कम से कम 1500 ईसा पूर्व से चला आ रहा है, जो मिस्र के मकबरे की सजावट में दिखाई देता है। ब्रिटेन और आयरलैंड में जोंक का आयात यूरोप, रूस और अफ्रीका से होने लगा, इनमें से हिरुडो डेकोरा औषधीय जोंक है। 20वीं सदी की शुरुआत में यह लुप्त हो गई थी। हालांकि 1960 के दशक में 'हिरुडोथेरेपी' के रूप में जोंक की वापसी हुई और 1980 के दशक से इसका व्यापक उपयोग किया जाने लगा। शोधकर्ताओं ने जोंक में सौ से अधिक उपयोगी तत्वों का पता लगाया है, जैसे–सूजन–रोधी एजेंट, एंटीबायोटिक और दर्द निवारक। हालांकि अभी मुख्य फोकस प्लास्टिक सर्जरी पर है। वर्तमान में जोंक को पालने के प्रयास शुरू हुए हैं। वहीं, 1812 से जोंक का व्यवसाय कर रहे वेल्स के व्यापारी अब भी पशु चिकित्सकों को जोंक की आपूर्ति करते हैं। फिलहाल अच्छी बात यह है कि लंदन के चिड़ियाघर में औषधीय जोंक के 40 बच्चे पैदा हुए हैं। जोंक की छह सौ प्रजातियों में से ज्यादातर रक्तचूसक नहीं होतीं। जोंक के साथ इन्सानों का एक जटिल इतिहास रहा है, लेकिन याद रखें कि वे हमारी दोस्त हैं, इसलिए वे जहां हैं, वहीं रहने दें।

ओपिनियन और एक्जिट पोल सब गलत साबित हुए

हरिशंकर व्यास

सोशल मीडिया में लगभग सन्नाटा है। यूट्यूब चौनल्स पर भी कोई खास शोर–शराबा नहीं है। मीडिया समूहों ने अपने चौनलों पर झारखंड विधानसभा के लिए पहले चरण के मतदान के बाद ओपिनियन पोल्स प्रसारित किए लेकिन किसी ने उन पर ध्यान नहीं दिया और न किसी ने उनको गंभीरता से लिया। चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों के आधार पर कोई भी पार्टी जीत का दावा भी नहीं कर रही है। मीडिया समूह खुद ही अपने सर्वेक्षण को लेकर भरोसे में नहीं हैं। सबसे दिलचस्प यह है कि लोकसभा चुनाव के समय तक जो ओपिनियन और एक्जिट पोल में जो बड़े नाम माने जाते थे वे तस्वीर से बाहर हो गए हैं। असल में लोकसभा चुनाव और उसके बाद हरियाणा विधानसभा चुनाव ने तमाम सर्वे एजेंसियों, मीडिया समूहों, सोशल मीडिया के योद्धाओं और यूट्यूब चौनल्स के पक्षपाती व अपेक्षाकृत निष्पक्ष पत्रकारों को भी गलत साबित कर दिया। किसी को समझ में नहीं आया कि आखिर क्या हुआ। चार महीने में दूसरी बार ज्यादातर मीडिया समूह, सर्वे एजेंसियां और सोशल मीडिया के राजनीतिक विश्लेषक गलत साबित हुए। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव में ज्यादातर मीडिया समूहों और सर्वे एजेंसियों ने भाजपा की जीत की भविष्यवाणी की थी। कई समूह तो ऐसे थे, जिन्होंने एक्जिट पोल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्अबकी बार चार सौ पारश्च के नारे को साकार होता देखा था। भाजपा को तीन सौ से चार या उससे भी ज्यादा सीटें मिलने की भविष्यवाणी की जा रही थी।

पश्चिमी एजंसियां पूर्वोत्तर भारत में अलगाववाद को हवा देने में सक्रिय

भारतीय विदेश नीति के वे बाज, जो दुनिया को खुशी–खुशी याद दिलाते हैं कि दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका तेजी से प्रगति कर रहे भारत को हिंद–प्रशांत क्षेत्र में अपना रणनीतिक रक्षा साझेदार मानता है, जल्द ही एक अग्नि परीक्षा का सामना कर सकता है। उनकी बयानबाजी झूठी निकली जब वाशिंगटन–दिल्ली की दोस्ती अमेरिका को भारत के मित्र बांग्लादेश में सत्तारूढ़ शासन को गिराने नहीं रोक पाई, जो ताजा उदाहरण है। इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि मणिपुर, नागालैंड और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के आस–पास के इलाकों में जल्द ही अस्थिरता की एक नयी लहर आने के संकेत मिल रहे हैं, भले ही सत्तारूढ़ मोदी 3.0 सरकार भारत को आर्थिक महाशक्ति के रूप में विकसित करने की महत्वाकांक्षा रखती हो। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समर्थित ताकतों ने भारत, म्यांमार और बांग्लादेश से अलग होकर एक स्वतंत्र ईसाई राज्य की अपनी पुरानी मांग को फिर से दोहराया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सबसे पहले इस बारे में चेतावनी दी, हालांकि बाद में अमेरिकी राजनयिकों ने उनका खंडन किया। जब तक भारत और दक्षिण एशिया की अन्य संबंधित सरकारें इस क्षेत्र के लिए अपनी नीति निर्माण में अत्यधिक सावधानी नहीं बरतती हैं, तब तक वे मध्यम अवधि में खुद को म्यांमार–प्रकार के असंख्य सशस्त्र नागरिक संघर्षों में उलझा हुआ पा सकते हैं। बड़ी शक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिद्वंद्विता की परेशान करने वाली प्रवृत्ति एक और जटिल कारक है। अभी दुनिया का ध्यान बांग्लादेश में हाल ही में बड़े पैमाने पर हिंसा के प्रकोप पर केंद्रित है, जो पश्चिम द्वारा प्रायोजित शासन परिवर्तन के परिणामस्वरूप हुआ है, जिसके कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया, पर कुछ विश्लेषकों ने अमेरिकी राजनीतिक चालों के बारे में उनकी गंभीर चेतावनी पर अधिक ध्यान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया था कि बांग्लादेश में लोकतंत्र और विपक्ष को दबाने के लिए सार्वजनिक रूप से उन पर हमला करने के बावजूद अमेरिका ने सेंट मार्टिन द्वीप पर कब्जा करने की कोशिश की थी और वहां सैन्य अड्डा बनाने की कोशिश की थी। अमेरिकी राजनयिकों ने संकेत दिया था कि अगर ढाका सहमत हो जाता है, तो अमेरिका इस साल जनवरी में होने वाले रार्ष्ट्रीय चुनावों में भी ज्यादा दिलचस्पी नहीं लेगा। जाहिर है, वाशिंगटन के लिए यह मायने नहीं रखता कि बांग्लादेश में अवामी लीग का शासन है या उसके विरोधियों का, जब तक कि अमेरिका के प्रमुख रणनीतिक हित सधते रहें। शेख हसीना ने पहले से ही तनावपूर्ण क्षेत्र में अमेरिका द्वारा सैन्य पैर जमाने के परिणामों के डर से इनकार कर दिया, जहां बड़ी शक्तियों के बीच प्रतिद्वंद्विता जीवन की एक सच्चाई थी। अमेरिका के साथ एक समझौते ने तुरंत चीन, भारत और रूस को नाराज कर दिया होता, जो उसके तत्काल पड़ोस के तीन शक्तिशाली देश हैं जिन्होंने आर्थिक और अन्य क्षेत्रों में वर्षों से बांग्लादेश की लगातार मदद की थी। इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश में आम चुनाव हुए। विपक्षी दलों के बहिष्कार के कारण अवामी लीग ने बेशक चुनाव में जीत हासिल की, लेकिन जैसा कि आशंका थी, अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिम ने परिणाम को स्वीकार नहीं किया। सावधानीपूर्वक आयोजित हिंसा के एक तांडव के माध्यम से उन्हें राजनीतिक निर्वासन में धकेल दिया गया, जबकि उनकी पार्टी और उसके हजारों समर्थकों पर कार्रवाई की घोषणा की गयी! भविष्य के विश्लेषकों इतिहासकारों को, नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री मोहम्मद यूनुस के बारे में उनका अंतिम मूल्यांकन जो भी हो, हसीना के निष्कासन के बाद अमेरिका में एक स्पष्ट स्वीकारोक्ति के लिए उन्हें धन्यवाद देना चाहिए। पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, अमेरिकी अधिकारियों और एनजीओ संचालकों की उपस्थिति में, यूनुस ने एक बंगाली कार्यकर्ता, एक ज्ञात कट्टरपंथी को, श्सबसे सावधानीपूर्वक संगठित (उनके सटीक शब्द) अभियान के पीछे के दिमाग के रूप में, एक उत्सव समारोह में पेश किया। दूसरे शब्दों में, बांग्लादेश में नये राजनीतिक विजेताओं को आत्म–बलिदान करने वाले स्वयंसेवकों, छात्रों या आम लोगों के संघर्षशील लोगों की एक सहज लहर द्वारा सत्ता में नहीं लाया गया था, जैसा कि शुरू में बीएनपी के नेतृत्व वाली विपक्षी पार्टियों या अन्य लोगों द्वारा दावा किया गया था। शक्तिशाली समर्थक क्लिंटन लॉबी ने हमेशा विपक्षी बीएनपी नेताओं और हसीना के विरोधी समूहों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाये रखे थे। हसीना का अंतिम निष्कासन उनके लिए एक तरह से केक पर आइसिंग की तरह था, जिसका उन्होंने भरपूर आनंद लिया, क्योंकि बांग्लादेश के भावी नेता के रूप में उनके द्वारा चुने गये यूनुस ने उन्हें निराश नहीं किया। बांग्लादेश की पटकथा ने लीबिया के नेता मुअम्मर गद्दाफी के खिलाफ इसी तरह के सफल अमेरिकी हमले की यादों को फिर से ताजा कर दिया, जिसे संगठित हिंसा के दौर के बाद अमेरिका का विरोध करने की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी थी। बांग्लादेश में जो हुआ था वह यह कि अवामी लीग या एएल के नेतृत्व वाली एक विधिवत निर्वाचित सरकार को पश्चिम द्वारा प्रायोजित राजनीतिक हस्तक्षेप द्वारा तोड़ दिया गया जिसमें बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी और लोगों की जान और संपत्ति का बहुत नुकसान हुआ था। यह एक सफल शासन परिवर्तन अभियान था, जैसा कि यूक्रेन और लीबिया में पहले देखा गया था। यह निष्कर्ष निकालने के लिए किसी बड़ी राजनीतिक विशेषज्ञता की आवश्यकता नहीं है कि भारत सरकार को पूर्व में विकसित हो रहे हालात के मद्देनजर पश्चिमी ब्लॉक के साथ राजनीतिक जुड़ाव के अपने नियमों पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है– यदि आवश्यक हो तो पुनर्विचार करने की भी। पश्चिम प्रायोजित हस्तक्षेपों के बाद यूक्रेन और लीबिया का क्या हुआ? यूक्रेन से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की खबरें आई थीं, जहां दक्षिणपंथी नाजी ताकतें, जो हमेशा यूक्रेन में मजबूत रही हैं, ने वापसी की थी। इसके अलावा डोनबास और लुगांस्क जैसे क्षेत्रों में भी एक व्यवस्थित पश्चिम–प्रेरित रूसी विरोधी अभियान शुरू किया गया था, जहां आबादी काफी हद तक रूस समर्थक थी।उनकी भाषा, चर्च, सांस्कृतिक संस्थानों और उनके मौलिक अधिकारों पर हमले किये गये। बार–बार रूस के विरोध प्रदर्शन काम नहीं आये। दुर्भाग्य से यूक्रेन या उसके उग्र नाटो समर्थकों के लिए, राष्ट्रपति पुतिन की अन्य समस्याओं ने यह दिखा दिया कि पश्चिम के साथ अपने व्यवहार में वे बोरिस येल्तसिन की तरह आसान नहीं हैं। मोदी सरकार को इस बात पर विचार करना चाहिए कि क्या इसी तरह के राजनीतिक परिणाम मध्यम अवधि में बांग्लादेश और उसकी राजनीति को परेशान नहीं कर सकते हैं? यह एक ऐसा देश है जिसकी आबादी बहुत बड़ी है और इसके प्राकृतिक संसाधन बहुत सीमित हैं, इसके दोनों ओर म्यांमार जैसा अस्थिर देश हैं और तीन तरफ इसकी सीमा भारत से लगती है, जिसे वह वास्तव में नापसंद नहीं कर सकता। क्या यह आश्चर्य की बात है कि बांग्लादेश से अलग होने की मांग पहले से ही आदिवासियों और अन्य लोगों के वर्गों से सुनी जा रही है, जो चटगांव पहाड़ी इलाकों और आस–पास के इलाकों में मुस्लिम पुलिस और सेना द्वारा लंबे समय से प्रताड़ित हैं? इसके अलावा मिजोरम के ईसाई मुख्यमंत्री लालदोहोमा ने ईसाइयों के लिए खुले तौर पर एक अलग राज्य का आह्वान किया है, जिसमें भारत, बांग्लादेश और म्यांमार को मिलाकर एक स्वतंत्र ईसाई नया राज्य बनाने का प्रस्ताव है, खास तौर पर बड़े पैमाने पर ईसाई कुकीध्जो आबादी के लिए। उन्होंने हाल ही में अमेरिका की यात्रा के दौरान अपने प्रस्ताव की रूपरेखा भी बताई, जहां उन्होंने चुनिंदा सभाओं में भाषण दिये। भारत जैसे बड़े देश को इस तरह के घटनाक्रम से अनावश्यक रूप से परेशान नहीं होना चाहिए। हालांकि, भविष्य में अमेरिका में कुछ लॉबी इस तरह के कदमों का समर्थन करेंगे या नहीं, यह देखना बाकी है। भारत सरकार को हमेशा सतर्क रहना चाहिए और पूर्वोत्तर या उसके निकटतम पड़ोस में सोते हुए नहीं पकड़ा जाना चाहिए।

गंगा घाटों पर सीवर समाधान के लिए डायवर्ट होगी पाइप लाइन, जल निगम बना रही ये योजना

वाराणसी। गंगा घाटों पर गिरने वाले सीवर की पाइप लाइनों को दीनापुर, भगवानपुर एसटीपी तक डायवर्ट किया जाएगा। इसके लिए जल निगम की ओर से कार्ययोजना बनाई जा रही है। दरअसल, देव दीपावली पर गंगा में गिरने वाले सीवर का अस्थायी समाधान किया गया था। अब नए सिरे से सर्वे कर सीवर पाइप लाइन कुछ जगहों पर डाली जाएगी।

गंगा में गिर रही सीवर लाइन को एसटीपी डायवर्ट किया जाएगा

अभी जो सीवर लाइन गंगा में गिर रही हैं। उन्हें एसटीपी डायवर्ट किया जाएगा। इसके तहत टूटे पाइप लाइनों को बदलने का काम जल निगम की ओर से किया जाएगा। इसके अलावा इन पाइपों को एसटीपी से जोड़ा जाएगा ताकि जो भी सीवर गंगा में गिर रहे हैं। वे पाइप लाइन के सहारे एसटीपी चले जाएं। जहां इनका शोधन करने के बाद इन्हें निस्तारित किया जाएगा। कुछ जगहों की पड़ी पुरानी पाइप लाइनें भी क्षतिग्रस्त हैं। पिछले दिनों दुर्गा घाट की सीवर लाइन की मरम्मत का काम चल रहा है। जल्द ही इसे भी एसटीपी जाने वाली पाइप लाइन से जोड़ दिया जाएगा। इससे घाटों पर सीवर ओवरफ्लो नहीं करेगा।

इसके तहत घाटों पर गिरने वाले स्थानों का सर्वे कर लिया गया है। जल्द ही इसके स्थायी समाधान की कार्ययोजना को अमलीजामा पहनाया जाएगा। इसके तहत जहां–जहां से सीवर रिसकर आ रहा है। उन सबको टैप किया जाएगा। जल निगम के अधिशासी अभियंता कमल कुमार सिंह ने बताया कि घाटों की सीवर व्यवस्था दुरुस्त कराई जा रही है।

जिन जगहों पर पाइप लाइन की आवश्यकता होगी। वहां नई पाइप डाली जाएगी। कुछ जगहों पर पाइप लाइनें टूट गई हैं। जिन्हें बदला जाएगा। यहां पर घाट किनारे पाइप लाइन पड़ी है। पुरानी टूटी पाइपों को बदलने के साथ इसे एसटीपी से जोड़ा जाएगा। ताकि एक बूंद सीवर गंगा में न गिरने पाए। इन पाइपों को पंपिंग स्टेशन से जोड़कर आगे भेजने की तैयारी है।

एक महीने में हुए 36 हादसे, 15 लोग घायल

कंदवा। सैयदराजा–जमानिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर गड्ढों की भरमार होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। सड़क पर प्रत्येक मीटर पर एक बड़ा गड्ढा है। डेढ़ दशक से इसकी मरम्मत नहीं कराई गई। इसके चलते एक महीने में 36 हादसे हुए और 15 लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। नौ नवंबर को कंजेहरा गांव के पास गड्ढों से बचने के चक्कर में बाइकों की आमने–सामने हुई टक्कर में करंडा थाना क्षेत्र के गजाधरपुर गांव निवासी बबलू गिरी (45) वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। वहीं आठ नवंबर को धमीना गांव के पास बने गड्ढों से बचने के चक्कर में दो बाइकों की आमने–सामने हुई टक्कर में कोरमी गांव निवासी रजनीकांत राय उर्फ छोटे राय (40) और धीना थाना क्षेत्र के बेटाडीह गांव निवासी राजू राम (26) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इसके पहले 20 सितंबर को मरूई गांव के पास बने गड्ढों से बचने के चक्कर में बाइक और मोपेड की टक्कर में बाइक सवार कुर्रा मोहनिया बिहार निवासी रवि (19) और मनीष (18) और मोपेड सवार सकलडीहा के खड़ेरा निवासी वृद्ध सूर्यनाथ और 19 सितंबर को रामपुर चौकी के पास गड्ढों से बचने में हुई बाइकों की टक्कर में कंदवा निवासी भाई–बहन कार्तिक राय (19) और आर्या राय (22) व घोसवा गांव निवासी विराज उर्फ बीरू (18) गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

यलो जोन में काशी, अर्दली बाजार सबसे प्रदूषित, डॉक्टरों ने दी सलाह– बरतें ये सावधानी

वाराणसी। ठंड बढ़ने के साथ ही बनारस की हवा में प्रदूषक तत्वों की मात्रा बढ़ने लगी है। पिछले 48 घंटों से बनारस का एयर क्वालिटी इंडेक्स यलो जोन में बना हुआ है। शहर में सबसे अधिक प्रदूषित इलाका अर्दली बाजार, मलदहिया और भेलूपुर है। अर्दली बाजार की हवा में नाइट्रोजन की मात्रा 107 और मलदहिया में कार्बन की मात्रा 106 से ऊपर दर्ज की गई।

एक नजर आंकड़ों पर...

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समीर एप के आंकड़ों के अनुसार बुधवार की सुबह शहर का एयर क्वालिटी इंडेक्स 119 था जो रात नो बजे 132 पहुंच गया। अर्दली बाजार सबसे अधिक प्रदूषित रहा, जिसका एक्यूआई 165, मलदहिया दूसरे नंबर पर 151, भेलूपुर का 128 और बीएचयू का एक्यूआई 82 रहा। अर्दली बाजार में पीएम 2.5 की अधिकतम मात्रा 230, पीएम 10 की मात्रा 187, नाइट्रोजन की मात्रा 100, सल्फर 21, कार्बन की मात्रा 108 रही। मलदहिया में पीएम 2.5 की अधिकतम मात्रा 236, पीएम 10 की मात्रा 114, नाइट्रोजन की मात्रा दो, सल्फर 27, कार्बन की मात्रा 101 दर्ज की गई।

भेलूपुर में पीएम 2.5 व 10 की मात्रा 146, सल्फर की मात्रा 37, कार्बन की मात्रा 102, और नाइट्रोजन की मात्रा आठ रही। बीएचयू में पीएम 2.5 की अधिकतम मात्रा 81, पीएम 10 की मात्रा 99, नाइट्रोजन दो, सल्फर 30 और कार्बन की मात्रा 40 रही।

क्या बोले अधिकारी

शहर में प्रदूषक तत्वों की मात्रा बढ़ने से हवा प्रदूषित हुई है। यह सांस रोगियों के साथ ही बच्चों और बुजुर्गों की सेहत के लिए ठीक नहीं है। घर से बाहर निकलते समय मास्क लगाकर निकलें। अगर कोई परेशानी हो तो अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य लें।

आज व्रत रहेंगे मगरमच्छ, हिरण खाएंगे गुड़- अजवाइन, वन्य जीवों के खान-पान में हुआ बदलाव

वाराणसी। ठंड को देखते हुए सारनाथ मिनी जू में रहने वाले वन्य जीवों व पक्षियों के मैन्यू में बदलाव किया गया है। इसके तहत शुक्रवार को मगरमच्छ व्रत रहेंगे। वहीं हिरण गुड़– अजवाइन खाएंगे।

गुलाबी ठंडक के एहसास के साथ ही सारनाथ मिनी जू में मौजूद वन्य जीवों के खान–पान में बदलाव किया गया है। जिससे उन्हें ठंड से बचाया जा सके। ठंड से बचाने के लिए चारे के साथ गुड़, खल और नमक भी दिया जाएगा। मांसाहारी जानवर मगरमच्छ को सप्ताह में छह दिन ही भोजन दिया जाएगा और आज कुछ भी खाने को नहीं दिया जाएगा।

खाने से लेकर रहने तक की व्यवस्था ठंड के अनुसार बनाने में सारनाथ मिनी जू प्रशासन कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। जानवरों के बाड़ों के आसपास गश्त बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही जीवों की डाइट में प्रोटीन, विटामिन, आयरन और कैल्शियम की प्रचुरता वाले तत्वों को बढ़ाया जा रहा है। कुछ समय बाद इनके बाड़े से निकलने और बंद होने के समय में भी बदलाव जाएगा। प्रभागीय वनाधिकारी प्रवीण खरे ने बताया कि सारनाथ मिनी जू में मगरमच्छ, घड़ियाल, हवासील, सारस, सफेद सारस और जलीय पक्षियों को मांस दिया जाता है। मगरमच्छ, घड़ियाल, हवासील को रोजाना दो किलो, सारस, सफेद सारस सहित अन्य जलीय पक्षियों को रोजाना 300 ग्राम मांस दिया जाता है। मौसम बदलने के साथ ही इसमें कमी लाई जा रही है। ताकि इनका स्वास्थ्य सही रहे, क्योंकि यह ठंड में ज्यादा चलते नहीं है। जिससे इनका भोजन पच सके।

उन्होंने बताया कि हिरण को मोटा अनाज के साथ गुड़, नमक और अजवाइन खाने के साथ दिया जाएगा। ताकि इनको ठंड से बताया जा सके। वहीं पक्षियों को मौसमी सब्जियां और विटामिन के फल का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सारनाथ मिनी जू में सर्दी के मौसम में जिस स्थान पर या जिस शेड के नीचे वन्यजीव रात्रि में सोने जाते या रहते हैं उस स्थान पर पुआल की पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है। जिससे उनको ठंड से बचाया जा सके और मगरमच्छ, घड़ियाल के लिए अतिरिक्त बालू की व्यवस्था की जा रही है। छोटी पक्षियों के लिए गर्म पर्दे का इंतजाम किया जा रहा है। अन्य पक्षियों को भी उनके हिसाब से रहने के लिए व्यवस्था हो रही है। सारनाथ मिनी जू का प्रवेश शुल्क 3 से 12 वर्ष के बच्चों का 10 रुपये, 12 वर्ष के ऊपर 20 रुपये है। इसके अलावा बात विदेशी पर्यटकों की तो एशियन देशों से आने वाले पर्यटकों को 50 और 100 रुपये कर दिया गया है। सारनाथ मिनी जू में स्थित डियर पार्क में फिलहाल सैकड़ों हिरण

हैं। इसके अलावा यहां काला हिरण और दर्जनों बारहसिंगा भी मौजूद है। इतना ही नहीं मगरमच्छ, घड़ियाल, कछुओं की कई प्रजाति समेत कई विलुप्त होते जानवर भी यहां लोग देख सकते हैं। इन सब के अलावा यहां तोता, मैना, लाल चिड़िया, गौरैया सहित कई चिड़िया है। इतना ही नहीं, सारस, शुतुरमुर्ग, बगुला, हंस भी यहां बड़ी संख्या में मौजूद हैं।

कोल्ड डायरिया के शिकार हो रहे बच्चे

चंदौली। बदलते मौसम ने बच्चों की सेहत पर प्रभाव डाला है। जिला अस्पताल में 15 दिन पहले जहां बाल ओपीडी में 120–150 बच्चे ही आते थे। वहीं, अब इनकी संख्या बढ़कर 200–210 तक पहुंच गई है। वहीं, रोज, 20 बच्चों को भर्ती किया जा रहा है। इनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा बच्चों और खासकर नवजात बच्चों में कोल्ड डायरिया की शिकायत मिल रही है। जिसमें सर्दी, जुकाम,बुखार के साथ दिन में तीन से चार बार दस्त की समस्या है। पं. कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला चिकित्सालय में प्रतिदिन लगभग 1400 मरीज अपना इलाज कराने के लिए आते हैं। उक्त जिला अस्पताल की ओपीडी में 200–210 तक जा पहुंची है। वहीं प्रतिदिन लगभग 20 बच्चे भर्ती भी हो रहे है। दवा कांउटर पर भी लम्बी लाइन लग रही है। वही बच्चों की भी ओपीडी में मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। चिकित्सकों की मानें तो बुजुर्गों को बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि मौसम बदलने के कारण बीमारी अपनी आगोश में लेना शुरू कर दिया है। ऐसे में सावधानी ही बचाव है। वहीं सरकारी अस्पताल ही नहीं प्राइवेट अस्पतालों में भी मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। अस्पताल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि कोल्ड डायरिया में बच्चों को सर्दी–जुकाम, बुखार, मांसपेशियों में दर्द के साथ उल्टी और दस्त की समस्या होती है। एक दिन में दो से तीन बार दस्त और उल्टी होने को कोल्ड डायरिया का लक्षण माना जाता है।

बीएचयू में मिलेगी एम्स जैसी सुविधा, एमओयू पर लग सकती है मुहर

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सुविधा मिलने की दिशा में एक बार फिर नए सिरे से एमओयू की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए संस्थान स्तर पर कागजी प्रक्रिया पूरी हो गई है। नई दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में 22 नवंबर को बैठक होनी है। इसके लिए जरूरी कागजात के साथ निदेशक समेत विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी बृहस्पतिवार को दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

अगस्त 2018 में किया गया था एमओयू

आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सुविधा के लिए पांच अगस्त 2018 को बीएचयू के केएन उडुप्पा सभागार में स्वास्थ्य मंत्रालय और मानव संसाधान विकास मंत्रालय (वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय) के बीच एमओयू किया गया था। इसके तहत आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सभी सुविधाएं मिलने की घोषणाएं की गईं थीं। छह साल का समय बीत गया, कुछ नए विभाग और सुविधाएं शुरू तो की गईं लेकिन एम्स जैसी बहुत सी सुविधाएं अब भी नहीं मिल पा रही हैं। ऐसा इसलिए कि देशभर में एम्स के संचालन में जितनी स्वास्थ्य मंत्रालय की भागीदारी है, उतनी अभी नहीं है। अब नए सिरे से एमओयू होने के बाद यहां एम्स जैसी सुविधा में स्वास्थ्य मंत्रालय की भागीदारी ही मुख्य होगी। आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सुविधा पर एमओयू के लिए सितंबर में दो बार दिल्ली में बैठक हो चुकी है। दो चरण की इस बातचीत के बाद भी एमओयू पर मुहर नहीं लग पाई है। अब आईएमएस बीएचयू के निदेशक प्रो. एसएन संखवार के साथ ही कुछ और वरिष्ठ अधिकारी और विश्वविद्यालय के जिम्मेदार अधिकारी

फिर दिल्ली की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। इस बार चर्चा है कि महत्वपूर्ण फैसला हो सकेगा।

क्या बोले अधिकारी : स्वास्थ्य मंत्रालय में आईएमएस में एम्स जैसी सुविधा के लिए 22 नवंबर को एमओयू के लिए बैठक दिल्ली में होनी है। इसकी सभी कागजी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। संभावना है कि इस बार एमओयू की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इसके बाद मरीजों की सुविधाओं में भी इजाफा होगा –प्रो. एसएन संखवार, निदेशक, आईएमएस बीएचयू

आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सुविधा पर एमओयू पर लग सकती है मुहर

वाराणसी। आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सुविधा मिलने की दिशा में एक बार फिर नए सिरे से एमओयू की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए संस्थान स्तर पर कागजी प्रक्रिया पूरी हो गई है। नई दिल्ली में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की मौजूदगी में 22 नवंबर को बैठक होनी है। इसके लिए जरूरी कागजात के साथ निदेशक समेत विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारी बृहस्पतिवार को दिल्ली के लिए रवाना होंगे। आईएमएस बीएचयू में एम्स जैसी सुविधा के लिए पांच अगस्त 2018 को बीएचयू के केएन उडुप्पा सभागार में स्वास्थ्य मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय (वर्तमान में शिक्षा मंत्रालय) के बीच एमओयू किया गया था।

50 दुकानों पर चलेगा बुलडोजर, पीडब्ल्यूडी ने जारी किया नोटिस

पीडीडीयू नगर। नगर में फोर लेन निर्माण का कार्य तेज हो गया है। पीडब्ल्यूडी ने जीटी रोड के किनारे स्थित दुकानों पर लाल निशान लगाने के बाद 50 दुकानदारों को नोटिस भेजा है। साथ ही एक हफ्ते में दुकानें नहीं हटाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। इससे दुकानदारों और भवन स्वामियों में हड़कंप मच गया है। पड़ाव से गोधना तक सिक्स लेन और फोर लेन का निर्माण का कार्य चल रहा है। पीडीडीयू नगर में फोरलेन सड़क बनाई जाएगी। अतिक्रमण के कारण निर्माण कार्य को रफ्तार नहीं मिल पा रही है। अब पीडब्ल्यूडी ने नगर में जीटी रोड किनारे सुभाष पार्क से काली मंदिर तक सड़क की जद में आने वाली 50 दुकानों पर लाल निशान लगाने के बाद दुकानदारों को नोटिस जारी किया है। जीटी रोड के दोनों तरफ 52–52 फीट तक अतिक्रमण हटाया जाएगा। इससे दुकानदारों और भवन स्वामियों में खलबली मच गई है। नोटिस में कहा गया है कि एक हफ्ते के अंदर अपनी दुकानें खुद हटा लें और सड़क खाली कर दें। ऐसा नहीं करने पर अतिक्रमण हटाने का खर्च वसूला जाएगा।

पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने बताया कि डिवाइडर से दोनों तरफ 52–52 फीट तक अतिक्रमण हटाया जाएगा। इसके बाद सर्विस लेन और नाले का निर्माण किया जाएगा। विभाग के अनुसार तय मानक के अनुसार दुकानें हटाई जाएंगी। सरकारी जमीन पर किए गए अतिक्रमण को हटाने पर कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। निजी जमीन पर बनें भवनों और दुकानों के मालिकों को मुआवजा दिया जाएगा।

गांव में कब होगी बारिश और धूप, पलभर में चल जाएगा पता

वाराणसी। अब किसानों को मौसम की मार नहीं झेलनी पड़ेगी। हर ब्लॉक व गांवों में ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन व ऑटोमेटिक रेन गेज लगाए जाएंगे। इससे किसानों को बारिश, धूप, तापमान, आद्रता, हवा की गति जैसी तमाम जानकारी मिल जाएगी। इससे वह फसलों की बुआई से लेकर सिंचाई तक कर सकते हैं। पूर्वांचल के 10 जिलों में 9590 वेदर स्टेशन खोले जाएंगे। सबसे ज्यादा आजमगढ़ व जौनपुर में खुलेंगे। वाराणसी में 684 स्टेशन होंगे। अगले माह से इसे खोलने की तैयारी है।

यूपी सरकार ने शुरू की नई योजना

प्रदेश सरकार ने विंड्स कार्यक्रम (वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क डाटा सिस्टम) योजना शुरू की है। पहले चरण में पूर्वांचल के भी 10 जिलों का चयन हुआ है। इन जिलों के 130 ब्लॉक मुख्यालयों पर ऑटोमेटिक वेदर स्टेशन बनाए जाएंगे। ग्राम पंचायतों में ऑटोमेटिक रेन गेज लगाए जाएंगे। जिन गांवों में पंचायत भवन नहीं है, वहां के प्राथमिक विद्यालयों में ये लगेंगे। वाराणसी मंडल के प्रभारी संयुक्त कृषि निदेशक एके सिंह ने बताया कि इस वेदर स्टेशन को लगाने के लिए ब्लॉक व गांवों में सर्वे कराकर रिपोर्ट कार्यदायी कंपनी को भेज दी गई है।

प्रयागराज विकास प्राधिकरण, प्रयागराज

पत्रांक–१५०/प्र०अ०/६०५०/ वि०प्रा०/2024 दिनांकः –22/11/2024

(आवश्यक सूचना)

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट, इलाहाबाद द्वारा साउथ हाउसिंग स्कीम पार्ट–।। (वेस्टर्न सेक्शन) के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–1/2 एवं 1/3 जिसका क्षेत्रफल 714 वर्गगज को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 22.10.1945 के माध्यम से हाजी अब्दुल रहमान पुत्र हाजी शेख बुद्ध के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। हाजी अब्दुल रहमान पुत्र हाजी शेख बुद्ध द्वारा साउथ हाउसिंग स्कीम पार्ट–।। (वेस्टर्न सेक्शन) के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–1/2 एवं 1/3 जिसका क्षेत्रफल 714 वर्गगज के जुजभाग क्षेत्रफल 89.49 वर्गगज यानी 74.83 वर्गमीटर को रजिस्टर्ड हिबानामा दिनांक 11.07.1960 के माध्यम से अपनी सगी पुत्री श्रीमती माजदा बीबी पत्नी श्री मुजीब उल्ला के हक में विक्रय कर दिया गया। श्रीमती माजदा बीबी पत्नी श्री मुजीब उल्ला पुत्री स्व० हाजी अब्दुल रहमान द्वारा साउथ हाउसिंग स्कीम पार्ट–।। (वेस्टर्न सेक्शन) के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–1/2 एवं 1/3 जिसका क्षेत्रफल 714 वर्गगज के जुजभाग क्षेत्रफल 89.49 वर्गगज यानी 74.83 वर्गमीटर को रजिस्टर्ड विक्रय विलेख दिनांक 01.02.2000 के माध्यम से श्री परवेज अख्तर अन्सारी पुत्र स्व० मोहम्मद बशीरउददीन के पक्ष में विक्रय कर दिया गया। श्री परवेज अख्तर अन्सारी पुत्र स्व० मोहम्मद बशीरउददीन द्वारा इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट डीड, रजिस्टर्ड हिबानामा की नकल, रजिस्टर्ड विक्रय विलेख, आधार कार्ड की छायाप्रति एवं मूल एफीडेविट ६ शपथ–पत्र संलग्न कर साउथ हाउसिंग स्कीम पार्ट–।। (वेस्टर्न सेक्शन) के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–1/2 एवं 1/3 जिसका क्षेत्रफल 714 वर्गगज के जुजभाग क्षेत्रफल 89.49 वर्गगज यानी 74.83 वर्गमीटर का नामान्तरण कराये जाने हेतु ऑनलाइन प्रत्यावेदन प्रस्तुत किया गया है, जो इस कार्यालय में विचाराधीन है। इस सम्बन्ध में यदि किसी को कोई विधिक आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित होने के 15 दिन के अन्दर विहित सम्पत्ति में अपना हित स्पष्ट करते हुए अभिलेखीय साक्ष्यों सहित अपनी लिखित आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने की स्थिति में यह मानते हुए कि उक्त नामान्तरण से किसी को कोई आपत्ति नहीं है, नियमानुसार प्राधिकरण के नियम / शर्तों के आधार पर साउथ हाउसिंग स्कीम पार्ट–।। (वेस्टर्न सेक्शन) के अन्तर्गत भूखण्ड सं0–1/2 एवं 1/3 जिसका क्षेत्रफल 714 वर्गगज के जुजभाग क्षेत्रफल 89.49 वर्गगज यानी 74.83 वर्गमीटर पर श्री परवेज अख्तर अन्सारी पुत्र स्व० मोहम्मद बशीरउददीन का नाम प्राधिकरण अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्र०अधि० इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट प्रयागराज विकास प्राधिकरण, प्रयागराज

महाकुम्भ 2025
के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये महाकुम्भ-2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 09609/09610 उदयपुर सिटी-धनबाद विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09609 उदयपुर सिटी - धनबाद			गाड़ी संख्या - 09610 धनबाद - उदयपुर सिटी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	13:00	उदयपुर सिटी ▲	09:40	----
22:53	22:55	बाँदीकुई जं.	00:01	00:03
00:20	00:25	भरतपुर जं.	21:55	22:00
01:55	02:00	आगरा फोर्ट	20:25	20:30
03:15	03:20	टूण्डला जं.	19:10	19:15
04:28	04:30	इटावा जं.	16:03	16:05
06:50	06:55	गोविन्दपुरी	13:45	13:50
07:58	08:00	फतेहपुर	11:58	12:00
10:10	10:20	प्रयागराज जं.	10:10	10:20
11:48	11:50	मिर्जापुर	08:28	08:30
21:00	----	▼ धनबाद	----	23:00

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी- 02, स्लीपर श्रेणी- 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 02

उदयपुर सिटी से : गाड़ी संख्या 09609, दिनांक 19.01.2025 को।

धनबाद से : गाड़ी संख्या 09610, दिनांक 21.01.2025 को।

गाड़ी संख्या 04811/04812 बाड़मेर-बरौनी विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04811 बाड़मेर - बरौनी			गाड़ी संख्या - 04812 बरौनी - बाड़मेर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	17:30	बाड़मेर ▲	13:00	----
06:48	06:50	बाँदीकुई जं.	01:30	01:32
08:40	08:45	भरतपुर जं.	23:20	23:25
09:50	09:55	आगरा फोर्ट	21:25	21:30
11:25	11:30	टूण्डला जं.	20:15	20:20
12:38	12:40	इटावा जं.	17:43	17:45
15:30	15:35	गोविन्दपुरी	15:40	15:45
16:40	16:42	फतेहपुर	12:38	12:40
19:00	19:10	प्रयागराज जं.	11:10	11:20
21:18	21:20	मिर्जापुर	09:05	09:07
09:00	----	▼ बरौनी	----	23:00

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी- 12 एवं स्लीपर श्रेणी- 04

बाड़मेर से : गाड़ी संख्या 04811, दिनांक 19.01.2025 को।

बरौनी से : गाड़ी संख्या 04812, दिनांक 21.01.2025 को।

नोटः- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 1800 4199 139 | उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR | North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | 2012/24 (A)

निगम ने अतिक्रमण मुक्त कराया

प्रयागराज। नवाब यूसुफ रोड से लेकर पुरानी स्टैली रोड, बस अड्घ्डा

से होते हुए विजली घर व लोक सेवा आयोग एवं बेली अस्पताल तथा एमएनएनआईटी तेलियरगंज तक नगर निगम द्वारा अतिक्रमण मुक्त कराया गया तथा अतिक्रमण से पहले व अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी एवं दोनों तरफ की पटरियों साफ करायी तथा कुल जुर्माना रू0–50,700ध्– शमन शुल्क वसूला गया। अतिक्रमण हटाने में थाना सिविल लाइन्स, कर्नलगंज, शिवकुटी, तेलियरगंज का सहयोग लिया। इस सम्बन्ध में सभी थाने को अवगत करा दिया गया है कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की है।

पुलिस पर आरोप लगाया

प्रयागराज। पत्रकार वार्ता के दौरान मुजतबा सिद्दीकी द्वारा भाजपा से मिलकर गड़बड़ी करने वाले पुलिस अधिकारियों थरवाई थानाध्यक्ष अरविन्द कुमार गौतम, एसीपी चंद्र पाल सिंह, एस एच ओ झूंसी उपेंद्र सिंह, एस आई संतोष सिंह, हंडिया थानाध्यक्ष बृजेश कुमार गौतम एवं ए सी पी सुनील सिंह पर आरोप लगाए। आशंका है कि मतगणना के दौरान भी उक्त पुलिस कर्मी गड़बड़ कर सत्ता को लाभ पहुंचा सकते हैं।

भारतीय ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक पद्धति से समझना होगाः प्रोफेसर ई . वायुनंदन

प्रयागराज। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के सहयोग से दस दिवसीय शोध प्रविधि कार्यशाला का विधिवत समापन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मुख्य अतिथि प्रो. ई . वायुनंदन एवं अकादमिक निदेशक, क्षेत्रीय केंद्र, प्रयागराज द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित प्रो. ई. वायुनंदन (मा. भूतपूर्व कुलपति, यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विश्वविद्यालय, नाशिक) का स्ध्वागत सूत की माला एवं पुष्प गुच्छ देकर अकादमिक निदेशक द्वारा किया गया। प्रोफेसर ई . वायुनंदन ने शिक्षा और महिला मुद्दों से अपनी बात आरंभ की, शोध को लेकर यूजीसी की

गंभीरता पर, सामाजिक विज्ञान, शोध की कमियों और उस में सुधार पर, इतिहास के महत्व पर, सामाजिक शोध, उद्देश्यों , परिकल्पना , क्षेत्र , रिव्यू ऑफ लिटरेचर, लाइब्रेरी का महत्व और थीसिस राइटिंग, शोध मौलिकता पर बात करते हुए अपने अकादमिक जनित अनुभव साझा करते हुए शोध के विभिन्न आयामों पर अपनी बात रखी। भारतीय ज्ञान परंपरा का वैज्ञानिक पद्धति से समझने पर बल दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो.दिगम्बर मा. तंगलवाड़ ने शोध ा के अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि ष्ज्ञान प्राप्ति एक यात्रा हैष और उन्होंने शोध के विभिन्न आयामों और पद्धतियों को सामाजिक अनुभवों से जोड़ते हुए अपने विचार रखे। कार्यशाला में सहभागी सभी प्रतिभागियों को मुख्ध्य अतिथि के हाथों प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। स्वागत वक्तव्य डॉ. सुरभि विप्लव द्वारा किया गया। प्रतिभागियों का प्रतिनिधित्व करते हुए निवेदिता, दामिनी और सुमंत ने इस कार्यशाला के फीडबैक का अनुभव सबके समक्ष रखे। इस दस दिवसीय कार्यशाला की प्रतिवेदन रिपोर्ट कार्यशाला के सहसंयोजक डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी ने प्रस्ध्तुत किया। विषय विशेषज्ञ के रूप में डॉ. ए. के सरन , प्रोफेसर राजेश के गर्ग, डॉ. सुप्रिया पाठक, प्रोफेसर अखिलेश कुमार दुबे , डॉ. आरती उपाध्याय, डॉ. डी. के. लाल, डॉ. अनिल कोपरकर, प्रोफेसर गिरीश्वर मिश्रा, प्रोफेसर अरविंद मिश्रा, डॉ. अर्चना सिंह, डॉ. आशीष सक्सेना , डॉ. बी. के. सिंह, डॉ. कुमार रविप्रिया, डॉ. विनोद कुमार, प्रोफेसर विष्णु मोहन दास, डॉ. दिवाकर राजपूत, प्रोफेसर बद्रीनारायण मुख्ध्य रूप से शामिल हुए। समापन समारोह का सफल संचालन डॉ. मिथिलेश कुमार तिवारी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आशा मिश्रा द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्ध्न विश्ध्वविद्यालयों से कुल 31 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। इस समापन समारोह के अवसर पर डॉ. अख्ध्तर आलम, डॉ. हरप्रीत कौर, डॉ. सत्ध्यवीर, डॉ. विजया सिंह, डॉ. सुरभि विप्ध्लव, डॉ. श्ध्याम सिंह, जयेन्ध्द्र जायसवाल, राहुल त्रिपाठी, सुभाष श्रीवास्ध्तव, रश्मि, प्रत्ध्यूष शुक्ध्ल, गीता देवी, देवमूर्ति द्विवेदी, बिरजू प्रसाद, जगजीवन राम प्रजापति, रोहित कुमार, अभिषेक रहे।

रेल कार विंडो ट्रेलिंग का निरीक्षण किया

प्रयागराज। डीएफसीसीआईएल निर्माण चरण से परिचालन चरण की और रुख कर चुका है और सुगम सञ्चालन हेतु ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर में प्रयागराज इकाई (पूर्व और पश्चिम) के स्टेशन की कार्य प्रणाली जांच करते हुए, श्री पंकज सक्सेना निदेशक परियोजना योजना डीएफसीसीआईएल ने अप दिशा में न्यू करछना से न्यू भाऊपुर तक और डाउन दिशा में न्यू भाऊपुर से न्यू मनौरी तक के सेक्शन की जांच की । उन्होंने शेष बचे कार्यों और उनके पूरा होने से संबंधित 21.11.24 को जीएमआर और डीएफसीसीआईएल अधिकारियों के साथ ऑपरेशन कण्ट्रोल सेंटर प्रयागराज में मैराथन बैठक भी की। निरीक्षण के दौरान, कोहरे के मौसम की शुरुआत और ट्रेन परिचालन पर इसके प्रभाव के कारण, सेक्शन का विस्तृत अवलोकन किया गया। साथ ही आगामी कुंभ–2025 और इसकी सभी तरह से तैयारियों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने ब्लॉक सेक्शन में सीमा दीवार निर्माण की भी सराहना की, जिससे मवेशियों के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाओं में कमी लाने में मदद मिलेगी। श्री पंकज सक्सेना, निदेशक परियोजना नियोजन ने निरीक्षण के दौरान सिग्नल पोस्ट टेलीफोन की जांच की जो कोहरे भरे मौसम में संचार का एक अनिवार्य तरीका है। उन्होंने एएलएच (ALH– ऑटो लोकेशन हट) का भी निरीक्षण किया, संशोधित स्वचालित ब्लॉक प्रणाली के काम करने के कारण सुरक्षा उपायों को अपनाने के बारे में समझा। ÞALH: ऑटो लोकेशन हट (ALH) एक मानव रहित स्थान है जो ऑप्टिकल फाइबर के माध्यम से अन्य ।स्भ्‍ से जुड़ा हुआ होता है और सभी सिग्नलिंग और दूरसंचार उपकरणों के लिए आवश्यक है ताकि सिग्नल, एक्सल काउंटर और इलेक्ट्रॉनिन इंटरलॉकिंग को बिजली की आपूर्ति प्रदान की जा सके, सिग्नल के स्थानों का पता लगाया जा सके। विफलताओं का समय और इसके मूल कारण का विश्लेषण करने में मदद करने के लिए रिमोट टर्मिनल यूनिट भी रहती है ।" निरीक्षण के दौरान कॉर्पोरेट ऑफिस से राकेश कुमार गुप्ता, जीजीएमध्ट्रैक, (सीटीई), ए एस तोमर, जीजीएमध्एसएंडटी, अमित सेंगर, जीजीएमध्इलेक्ट्रिकल, विनोद गौतम, जीएमध्मैकेनिकल एंड सेफ्टी मौजूद रहे । फील्ड यूनिट से देवेंद्र सिंह, मुख्य महाप्रबंधक प्रयागराज पश्चिम, आशीष मिश्रा, जीएमध्सिक्योरिटी, शशिकांत द्विवेदी, जीएमध्इलेक्ट्रिकल, मन्नू प्रकाश दुबे, एजीएमध्ओपीएंडबीडीध्प्रयागराज, अखिलेश कुमार, डिप्टी सीपीएमध्इंजीनियरिंग, विवेक, डीजीएमध्मैकेनिकल एंड सेफ्टी और डीएफसीसीआईएल के अन्य अधिकारी निरीक्षण के दौरान मौजूद रहे । जीएमआर से ग्रांधी मल्लिकार्जुन राव और अन्य अधिकारी कृष्ण, कमल शर्मा रहे ।

भारतीय संगीत परंपरा के भौतिक साक्ष्यों से अवगत कराया

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में विश्व विरासत सप्ताह के अंतर्गत जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज के संगीत विभाग से 20 छात्राओं का दल डॉ अंकिता चतुर्वेदी मालवीय के नेतृत्व में भ्रमण पर आया। सभी को संग्रहालय की तरफ से डॉ संजू मिश्रा ने भारतीय संगीत परंपरा के भौतिक साक्ष्यों से अवगत कराया जिसमें पाषाण कालीन गुहा भित्ति चित्रों के नृत्यरत छाया चित्र,ढोल बजाते हुए ढोलकची की कुषाण कालीन मृण्मूर्ति, गुप्त युगीन वीणा वादक की मृण्मूर्ति के साथ ही लघु चित्रों में संगीत रस के माध्यम से संगीत के विकास के विविध पक्षों पर प्रकाश डाला।

आठ करोड़ की डिजाइनर लाइट से रोशन होगा कुंभ मेला

महाकुंभ में पावर कारपोरेशन 485 डिजाइनर स्ट्रीट लाइट पोल का जाल बिछाएगा

प्रयागराज। प्रयागराज में लगने जा रहे दिव्य और भव्य कुंभ को देखते हुए मेला प्रशासन की तरफ से इसको खास बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में विद्युत विभाग की तरफ से मेले को शानदार बनाने के लिए पूरे मेला क्षेत्र में डिजाइनर लाइट लगाने की तैयारी की गई है। इसके लिए शासन की तरफ से आठ करोड़ का बजट जारी हुआ है। इस कार्य को समय से पूरा करने में विद्युत विभाग की टीम जुटी हुई है। महाकुंभ को लेकर बिजली विभाग की तरफ से तैयार कराए गए प्लान के बारे में जानकारी देते हुए अधीक्षण अभियंता महाकुंभ मनोज गुप्ता ने बताया कि डिजाइनर लाइट भगवान शंकर,गणेश और भगवान विष्णु को समर्पित होगी। पूरे मेला क्षेत्र में 485 डिजाइनर स्ट्रीट लाइट पोल पर लगाए जाएंगे। इनको लगाने के लिए 15 दिसंबर तक की समय सीमा निर्धारित की गई है। इसके बाद परेड ग्राउंड और संगम की तरफ आने वाले लोगों को अलग छवि दिखाई देगी।

प्रयागराज में लूट के दो आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा

प्रयागराज। प्रयागराज में उतराव पुलिस ने बीते महीने सर्राफ से लूट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने सर्राफ से लूटी गई नकदी व रुपए भी बरामद कर लिए हैं।आवश्यक कार्रवाई के बाद पुलिस ने आरोपियों को जेल भेज दिया है।

सरायइनायत थाना क्षेत्र के चंदौहा रामपुर गांव निवासी सतीश सोनी की उतराव थाना क्षेत्र के सिठौली बाजार में आभूषण की दुकान है। बीते 23 अक्टूबर की शाम आभूषण की दुकान बंद कर बाइक से घर आध रहे। उतरांव के खोदायपुर गांव के सामने नेशनल हाईवे की पुलिया के नीचे पीछे से आए पल्सर बाइक सवार नकाबपोश बदमाशों ने तमंचे की बट से सतीश के सिर पर वार कर दिया। घटना में पीड़ित लहूलुहान हो कर बाइक से नीचे गिर गया।

इसके बाद एक बदमाश ने सतीश की कनपटी पर तमंचा सटा दिया, व अन्य बदमाश ने सतीश की बाइक की चाभी निकाल कर डिग्गी खोली। डिग्गी में सोने और चांदी के लगभग डेढ़ लाख के आभूषण व पांच हजार नकदी थी। लुटेरे रुपए लूट कर हाइवे के रास्ते तमंचा लहराते सहसों की तरफ फरार हो गए थे।

पीड़ित ने इस मामले की शिकायत उतराव पुलिस से की थी। इसके एक बाद पुलिस ने एक महीने के भीतर लूट की घटना में शामिल थरवई थाना क्षेत्र के लाहुरतारा गांव निवासी आकाश यादव, अजीत कुमार यादव को मुखबिर की सूचना पर बलिपुर सर्विस रोड फ्लाई ओवर के नीचे से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 6 जोड़ी पायल, 10 अदद बिछिया, 8 अदद पैजनिया सफेद धातु व 6 नाक की कील पीली धातु और छीने गए 4630 रुपये नगद बरामद किए हैं।

राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र अभियान 3.0 शिविर

प्रयागराज। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार, केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए 1 से 30 नवंबर, 2024 तक राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान 3.0 आयोजित कर रहा है। इस अभियान में "ॅिवसम वि ळवअमतदउमदज" एप्रोच अपनाते हुए कई हितधारकों के सहयोग से, देशभर के 800 शहरोंध्जिलों में शिविर लगाए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के लिए और अधिक श्सुविधापूर्ण जीवनश सुनिश्चित करने के लिए, नवंबर 2021 में, डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए, फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का शुभारंभ किया गया था। फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक एक ऐसी तकनीक है जिसमें किसी भी एंड्रॉइड आधारित स्मार्ट फोन से डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र जमा किया जा सकता है। इस तकनीक से बाह्य बायोमेट्रिक उपकरणों की आवश्यकता समाप्त हो गई है और जीवन प्रमाणपत्र जमा करने की प्रक्रिया सुलभ और आसान हो गई है। वर्ष 2022 में विभाग द्वारा आयोजित अभियान में 1.41 करोड़ से भी अधिक डीएलसी जनरेट किए गए, जिनमें केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों के 42 लाख से अधिक डीएलसी जनरेट किए गए। नवंबर, 2023 में 100 शहरों में आयोजित अभियान द्वारा कुल 1.47 करोड़ डीएलसी जनरेट किए गए थे, जिनमें से 45 लाख केंद्र सरकार के पेंशनभोगी द्वारा जनरेट किए गए। इस वर्ष, बैंकों, इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक, पेंशनभोगी कल्याण संघों, यूआईडीएआई, मेटी, रक्षा मंत्रालय, रेल मंत्रालय और दूरसंचार विभाग के सहयोग से आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी पेंशनभोगी, विशेषरूप से वयोवृद्ध तथा अशक्त पेंशनभोगी अपना जीवन प्रमाणपत्र आसानी से जमा कर सकें। देशभर के विभिन्न शहरों में कई स्थानों पर शिविर लगाए जा रहे हैं और बैंक शाखाओं में कार्मिक अपने स्मार्ट फोन से पेंशनभोगियों को डीएलसी जमा करने में सहायता कर रहे हैं। साथ ही वयोवृद्धध्‍ दिव्यांगध्बीमार पेंशनभोगियों के लिए घरोंध्अस्पतालों में जा कर जीवन प्रमाणपत्र डिजिटल रूप से जमा करने की सुविधा देने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। इस अभियान का प्रचार–प्रसार सोशल मीडिया पर और बैनरों द्वारा भी किया जा रहा है, तथा इसकी निगरानी विभाग द्वारा डीएलसी पोर्टल के माध्यम से की जा रही है ताकि अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। इसी श्रृंखला में, पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार ने 21.11. 2024 (गुरुवार) को स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की त्रिवेणी एवं डी. आर. एम. शाखा तथा हेड पोस्ट ऑफिस, प्रयागराज, दारागंज पोस्ट ऑफिस एवं नैनी पोस्ट ऑफिस में लगाए गए शिविरों में जाकर, पेंशनभोगियों का जीवन प्रमाणपत्र जनरेट किया और उन्हें विभिन्न डिजिटल तरीकों जैसे फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक आदि के बारे में जानकारी प्रदान की। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, यूआईडीएआई, मेटी, आकाशवाणी, दूरदर्शनध्प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के अधिकारियों और कर्मचारियों तथा डिफेंस पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों की भी सहभागिता रही। इन शिविरों का व्यापक प्रचार–प्रसार किया गया और इस अभियान को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किए गए।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-नीलामी के लिए सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज रेलवे बोर्ड के पत्र दिनांक 13.06.2022 के अंतर्गत प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों अनुबंध के लिए आईआरईपीएस के ई-नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करता है।

वाणिज्य विज्ञापन /एडवरटाइजमेंट

क्र. सं.	वाणिज्य विज्ञापन का विवरण	ई-आक्सन कैटलाग संख्या	ई-आक्सन प्रारंभ तिथि एवं समय
1	**05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर बहुउद्देश्यीय इकाइयाँः** अलीगढ़ (01 स्थान), शिकोहाबाद (01 स्थान), फतेहपुर (02 स्थान), फफूंद (01 स्थान), फिरोजाबाद (01 स्थान)	PRYJ-MPS-24-13	27.11.2024 at 11:00 hrs
2	**05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँः** एटा (01 स्थान), दनकौर (01 स्थान), दादरी (01 स्थान), डांवर (01 स्थान), भरथना (03 स्थान), अछल्दा (03 स्थान), फफूंद (01 स्थान), खुर्जा (01 स्थान), फतेहपुर (01 स्थान)	PRYJ-CATG-24-54	27.11.2024 at 11:00 hrs
3	**05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँः** मेजा रोड (01 स्थान), हाथरस (02 स्थान), नैनी (01 स्थान), सोनभद्र (01 स्थान), भरवारी (01 स्थान), जलेसर सिटी (02 स्थान), चोला (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान)	PRYJ-CATG-24-55	28.11.2024 at 11:00 hrs
4	**05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँः** सोनभद्र (03 स्थान), सिराथू (01 स्थान), नैनी (01 स्थान), मैनपुरी (02 स्थान), शंकरगढ़ (01 स्थान), खुर्जा (01 स्थान), खागा (01 स्थान), चोला (01 स्थान)	PRYJ-CATG-24-56	29.11.2024 at 11:00 hrs
5	**05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँः** चोला (01 स्थान), चुनार (01 स्थान), दादरी (01 स्थान), जलेसर सिटी (01 स्थान), फफूंद (01 स्थान), सिराथू (01 स्थान), दनकौर (01 स्थान), खागा (01 स्थान)	PRYJ-CATG-24-57	02.12.2024 at 11:00 hrs
6	**05 वर्ष की अवधि के लिए विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर खानपान इकाइयाँः** दादरी (02 स्थान), जलेसर सिटी (03 स्थान),भरवारी (03 स्थान), सिराथू (01 स्थान), खुर्जा (01 स्थान), चोला (01 स्थान)	PRYJ-CATG-24-58	03.12.2024 at 11:00 hrs
7	**05 वर्ष की अवधि के लिए 01 क्लस्टर में विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर स्वचालित वेंडिंग मशीनेंः** प्रयागराज (10 स्थान), कानपुर (10 स्थान), प्रयागराज छिवकी (06 स्थान), सूबेदारगंज (03 स्थान)	PRYJ-MSS-AVM-01	05.12.2024 at 11:00 hrs
8	**05 वर्ष की अवधि के लिए 01 क्लस्टर में विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीनेंः** प्रयागराज (05 स्थान), सूबेदारगंज (02 स्थान), नैनी (03 स्थान)	PRYJ-MSS-WVM-34	06.12.2024 at 11:00 hrs
9	**विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर 05 वर्ष की अवधि के लिए खानपान इकाइयाँः** प्रयागराज (01 स्थान)	PRYJ-CATG-24-59	05.12.2024 at 11:00 hrs

गेमिंग जोन

क्र. सं.	वाणिज्य विज्ञापन का विवरण	ई-आक्सन कैटलाग संख्या	ई-आक्सन प्रारंभ तिथि एवं समय
1	प्रयागराज मंडल के प्रयागराज जंक्शन पर गेमिंग जोन सह यात्री मनोरंजन जोन सुविधाओं की स्थापना हेतु 05 वर्ष की अवधि के लिए अनुबंध।	PRYJ-Gaming Zone	23.11.2024 at 11:00 hrs

इच्छुक बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए, ई-नीलामी में भाग लेने के लिए आधिकारिक वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जा सकते हैं। (1) बोलीदाताओं, जो ई-नीलामी मॉड्यूल में भाग लेना चाहते हैं, के पास वैध डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र (डीएससी) होना चाहिए और इसे भारत सरकार के प्रमाणन प्राधिकरण (सीसीए) के नियंत्रक के किसी भी प्रमाणित प्राधिकारी से प्राप्त किया जा सकता है, इसका विवरण **www.cca.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है। (2) बोलीदाताओं को आईआरईपीएस (वाणिज्यिक नीलामी मॉड्यूल) में खुद को ऑनलाइन पंजीकृत कराना होगा। (3) एकमुश्त पंजीकरण शुल्क ₹ 10,000.00/- और लागू जीएसटी (गैर-वापसी योग्य) को किसी भी व्यावयायिक नीलामी में भाग लेने से पहले ऑनलाइन भुगतान करना होगा। (4) इस ई-नीलामी के संबंध में अधिक जानकारी, आवश्यकता और विभिन्न पहलुओं के लिए, इच्छुक बोलीदाताओं को **http://www.ireps.gov.in/epsn/jsp/common/learningCenter.jsp** पर जाने की सलाह दी जाती है। (5) अर्निंग मनी डिपॉजिट (ईएमडी): नीलामी के दौरान ऑनलाइन जमा की जाने वाली कुल संविदात्मक बोली मूल्य का 5% सफल बोलीदाता की ईएमडी सुरक्षा जमा के रूप में रखी जाएगी। (6) रेल प्रशासन किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (7) रेल प्रशासन इन गाड़ियों के जारी रहने/बंद होने या नई गाड़ी सेवाओं के शुरू होने के आधार पर किसी भी समय (या कोई निर्णय लेने के लिए) इन अनुबंधों को समाप्त करने का पूर्ण और पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। (यह मद एस एल आर/वी पी को पटटे पर देने से सम्बंधित है) (8) सफल बोली लगाने वाले को समय-समय पर भारत सरकार द्वारा प्रभावी जीएसटी का भुगतान करना होगा। रेल प्रशासन इसके लिए उत्तरदाई नहीं होगा। **2013/24 (MG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं. PRYJ/Br/L/2024-25/11 दिनांकः 18.11.2024

ई–निविदा सूचना

उप मुख्य इन्जी. / ब्रिज / लाइन / उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदाएँ निर्धारित प्रपत्र पर **दिनांक 31.12.2024 को 14.30 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं : 1	निविदा नं.: 2024-19	अनुमानित मूल्य (₹) : ₹ 71,02,32,222.23

कार्यो का विवरणः प्रयागराज मण्डल के मेजारोड़-भीरपुर स्टेशनों के किमी. 792/12-24 के मध्य स्थित पुल सं. 05 अप (2 x 9.75 M+7x 45.75M) एण्ड डाउन (2x15.62M+7x45.75M) सेमी - थ्रु ओपेन वेब गर्डरों एवम प्लेट गर्डरों की रिगर्डरिंग का कार्य ।

बयाने की रकम ₹ : ₹ 37,01,200/-	कार्य समापन की अवधि : 18 माह

निविदा खुलने की तिथि : 31.12.2024

सिमिलर वर्क के लिये न्यूनतम वांछनीय आधार : एनी ब्रिजवर्क इनवाल्विंग इरेक्शन / लांचिंग आर रिगर्डरिंग आफ ओपेन वेब गर्डर **आर** एनी ब्रिजवर्क इनवाल्विंग इरेक्शन / लांचिंग आर रिगर्डरिंग आफ बोस्ट्रिंग आर्च ब्रिज।

नोटः 1- उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर समय 14:30 बजे तक निविदा खुलने की तिथि दिनांक **31.12.2024** तक उपलब्ध है । 2- उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको **I. T. Act-2000** के अन्तर्गत **C. C. A.** द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3- निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म / लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4- संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5- बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान के रूप में ही स्वीकार की जायेगी। 6- किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 7- आन लाइन निविदा दिनांक **31.12.2024** को 14:30 बजे तक प्रस्तुत की जा सकती हैं। 8- माल एवं/ अथवा सेवाओं के सप्लायर / ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 9- निविदादाता को जी.सी.सी. 2022 भाग-1 के पैरा 10 से 18 के अनुपालन में उल्लिखित आवश्यक दस्तावेजों को निविदा के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना है अथवा उनकी निविदा अपूर्ण मानी जायेगी एवं तद्नुसार अविचारणीय होगी। **2003/24(DG)**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

No. GSU-II-PRYJ-14-2024 दिनांकः 19.11.2024

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से **उप मुख्य अभियंता-II/जी.एस.यू./प्रयागराज, उत्तर मध्य रेलवे** के अधीन निम्नलिखित निर्माण कार्यो हेतु ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं (द्वारा खुली निविदा-दो पैकेट प्रणाली-ई आर ए)। बोली लगाने वाले अपने मूल/संशोधित बिड्स समाप्ति तिथि एवं समय तक मात्र जमा कर सकते हैं। इस निविदा के लिए मैनुअल ऑफर की अनुमति नहीं है और प्राप्त किसी ऐसे मैनुअल प्रस्ताव को नंजरअंदाज कर दिया जाएगा।

कार्य का विवरणः उत्तर मध्य रेलवे के अन्तर्गत प्रयागराज मंडल के दीन दयाल उपाध्याय-प्रयागराज खंड में किमी 727/25-27 पर एलसी 2 और कानपुर-चंदारी खंड में किमी 1015/43-45 पर एलसी 78-बी के स्थान पर 02 लेन रेल उपरिगामी सेतु (एप्रोच सहित एंड-टू-एंड) का निर्माण।

अनुमानित लागत	धरोहर धन राशि	निविदा फार्म का मूल्य	खुलने की तिथि
₹ 109.81 करोड़	₹ 56,40,700/-	₹ 0.00	24.12.2024, 15.00 Hrs.

कार्य समापन की अवधिः 18 महीने। **नोटः** 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) **https://www.ireps.gov.in** पर निर्धारित तिथि तक 15.00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपरोक्त सभी निविदाओं में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नही की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अंतर्गत CCA द्वारा जारी Class-III, Digital हस्ताक्षर प्रमाण-पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नही किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 5. किसी भी प्रकार की तकनीकि समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। **2008/24 FA**

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062